C·S(M)04

Sl. No. 597

B–DTN–J–QMB

PHILOSOPHY

Paper—II

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers should be precise and to-the-point.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section—A

1. Answer any *three* of the following in not more than *200* words each : 20×3=60

(a) Define Monarchy. Is it ethically justified?

(b) "You are not punished for stealing the sheep, but you are punished so that no sheep is stolen." Discuss as to which theory of punishment the statement belongs.

(c) Compare Bodin's and Austin's views on sovereignty.

(d) "Rights and duties are complementary." Explain.

2. *(a)* Is Theocracy an outdated ideology? Discuss. 30

(b) Is Secularism analogous to Atheism? Examine in the Indian context. 30

3. *(a)* Comment on the relationship between equality and freedom. 30

(b) Is capital punishment, in your view, ethically justified? 30

4. Examine the Land and Property Rights of women in India. How far do they contribute to empower women? 60

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए, जिनमें से कोई भी *200* से अधिक शब्दों में न हो : 20×3=60

   (क) राजतंत्र की परिभाषा दीजिए। क्या यह नैतिकतः तर्कसंगत है?

   (ख) ''आपको दण्ड इसलिए नहीं दिया जाता है कि आपने कोई भेड़ चुराई है, बल्कि आपको दण्ड इसलिए दिया जाता है कि कोई भी भेड़ न चुराई जाय।'' चर्चा कीजिए कि यह कथन दण्ड के किस सिद्धान्त से सम्बन्धित है।

   (ग) सम्प्रभुता पर बोदाँ और ऑस्टिन के विचारों की तुलना कीजिए।

   (घ) ''अधिकार और कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक होते हैं।'' स्पष्ट कीजिए।

2. (क) क्या धर्मतंत्र एक पुरानी विचारधारा है? चर्चा कीजिए। 30

   (ख) क्या धर्मनिरपेक्षता निरीश्वरवाद के सदृश है? भारत के सन्दर्भ में इस बात का परीक्षण कीजिए। 30

3. (क) समता और स्वतंत्रता के बीच के सम्बन्ध पर टिप्पणी कीजिए। 30

   (ख) आपके विचार में क्या मृत्युदण्ड नैतिक दृष्टि से तर्कसंगत है? 30

4. भारत में महिलाओं के भूमि और सम्पत्ति अधिकारों का परीक्षण कीजिए। महिलाओं के सशक्तीकरण में उनका कितना योगदान है? 60

Section—B

5. Answer any *three* of the following in not more than *200* words each : 20×3=60

(a) Critically examine the 'Causal' argument as a proof for the existence of God.

(b) If evils and sufferings are the real experiences of individual selves, what role do they play in realizing self-transcendence?

(c) Explain the nature of religious experience. Can this experience be validated?

(d) Is religious language symbolic? Discuss.

6. *(a)* Analyze the 'Teleological' argument as a proof for the existence of God. 30

(b) Examine why Man has a desire for Immortality. 30

7. Comment on the following statements : 30×2=60

(a) "To be Man is to strive to be God."

(b) "There are no whole truths; all truths are half truths. It is trying to treat them as whole truths that plays the devil."

खण्ड—ख

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए, जिनमें से कोई भी *200* से अधिक शब्दों में न हो : 20×3=60

(क) ईश्वर के अस्तित्व के एक प्रमाण के रूप में 'कारणात्मक' तर्क का समालोचनात्मक रूप से परीक्षण कीजिए।

(ख) यदि अनिष्ट और दुखभोग व्यक्तियों के अपने-अपने यथार्थ अनुभव होते हैं, तो स्वातिगता सिद्धि में वे क्या भूमिका निभाते हैं?

(ग) धार्मिक अनुभव की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए। क्या इस अनुभव का प्रमाणीकरण किया जा सकता है?

(घ) क्या धार्मिक भाषा प्रतीकात्मक होती है? चर्चा कीजिए।

6. (क) ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण के रूप में 'प्रयोजनपरक' युक्ति का विश्लेषण कीजिए। 30

(ख) परीक्षण कीजिए कि मनुष्य में अमरत्व की इच्छा का कारण क्या है। 30

7. निम्नलिखित कथनों पर टिप्पणी कीजिए : 30×2=60

(क) ''मनुष्य होने का अर्थ ईश्वर होने का प्रयास करना है।''

(ख) ''पूर्ण सत्य नहीं होते हैं; सभी सत्य अर्ध सत्य होते हैं। उनको पूर्ण सत्य मानकर चलने की कोशिश करना ही दानव बना देता है।''

8. *(a)* Can the 'God' of Religion be identified with the 'Absolute' of Philosophy? 30

(b) Comment on the statement that "Religion only promised but never fulfilled the promise". 30

8. (क) धर्म के 'ईश्वर' की पहचान क्या दर्शन के 'परमतत्त्व' से की जा सकती है? 30

(ख) इस कथन पर टिप्पणी कीजिए कि ''धर्म ने केवल वायदा किया था लेकिन कभी भी उस वायदे को पूरा नहीं किया''। 30

★ ★ ★

B–DTN–J–QMB

दर्शनशास्त्र

प्रश्न-पत्र—II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

उत्तर संक्षिप्त और सटीक होने चाहिए।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.